इजहार मैंने किया है । आपने वायदा किया था और उसको पूरा नहीं किया ।
...(Interruptions)...

MR. CHAIRMAN : You are preventing him from giving an answer. (Interruptions). Please sit down.

श्री सीताराम केसरी : मान्यवर, चूंकि उन्होंने कहा है, मैंने इसलिए कहा कि मौहब्बत का इजहार किया है । जब कभी चुनाव आता है तो दोनों साथ मिलकर के लड़ते हैं । इसलिए मैंने कहा कि मौहब्बत का इजहार किया है .... **(व्यवधान)**

मौलाना ओबैदुल्ला खान आजमी : सर, यह हमारे सवाल का जवाब नहीं है और अगर इस तरह का सियासी जवाब दिया जाएगा तो उनके यहां .... **(व्यवधान)**

सर, हमारे सवाल का जवाब दिलवाइए। .... **(व्यवधान)** हमारे सवाल का जवाब नहीं मिला । .... **(व्यवधान)** हमको हमारे सवाल का जवाब चाहिए ।

MR. CHAIRMAN : Are you answering? I am asking Mr. Muthu Mani. (Interruptions).

SHRI S. MUTHU MANI : Sir,...

SHRI P. UPENDRA : He has not answered the question. What are the reasons for administrative failure ? He has not answered the question.

मौलाना ओबैदुल्ला खान आजमी : जब इस सवाल के साथ यह हो रहा है तो मायनोरिटी के साथ क्या होता होगा, सर? जब इस सवाल के साथ यह तमाशा हो रहा है, सर, तो मायनोरिटी के साथ क्या तमाशा नहीं होता होगा? सर, मुझे जवाब चाहिए ।

SHRI MOHD. KHALEELUR RAHMAN : You ask the Minister to answer the question. This is not the answer. What are the reasons ?

MR. CHAIRMAN : Please, sit down. (Interruptions).

MOHAMMED AFZAL *alias* MEEM AFZAL : What is he replying? He gave the same kind of reply...(Interruptions).

3—150RSS/94

MR. CHAIRMAN : If you want an answer, you must sit down. Will you please sit down ? (Interruptions). Will you please sit down? Yes, Mr. Muthu Mani.

SHRI SOMAPPA R. BOMMAI : The hon. Member has asked a specific question. Instead of answering the specific question, the Minister is trying to politicalise the answer. He should answer.

MOHAMMED AFZAL *alias* MEEM AFZAL : We want your protection. He has not replied properly.

ऐसे ही एक सवाल पहले भी पूछा गया था तो मिनिस्टर ने इसी अन्दाज में जवाब दिया था । यह बहुत ही शर्मनाक रवैया है। सर, यह बहुत ही शर्मनाक रवैया है । .... **(व्यवधान)** पिछले हफ्ते भी मायनोरिटी के ताल्लुक से जब सवाल किया गया तो इससे पहले भी रूलिंग पार्टी के मिनिस्टर ने उसको टालने की कोशिश की और उसको पॉलिटिसाइज करने की कोशिश की ।

SHRI V. NARAYANASAMY : The Minister has answered. It was a political reply to a political question.

SHRI P. UPENDRA : The question was very specific. He should answer that. What are the reasons for...(Interruptions).

MR. CHAIRMAN : If there is anything specific, you can answer.

SHRI S. MUTHU MANI : Sir, you have permitted me. (Interruptions). Therefore, I would like to know whether the Centre will provide funds to the States to be utilized for the welfare of the minorities.

MR. CHAIRMAN : Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Package to develop agricultural infrastructure

*342. DR. SANJAYA SINH : Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether Government have announced a Rs. 500 crore package to develop agricultural infrastructure for the small and marginal farmers; and

(b) if so, what are the details thereof ?

THE MINISTER OF AGRICULTURE (SHRI BALRAM JAKHAR) (a) and (b) In order to protect the interests of small and marginal farmers who do not have enough marketable surplus to benefit from enhanced support prices, the Government of India sanctioned a Special Scheme with an outlay of Rs. 500 crores to develop agricultural infrastructure for the small and marginal farmers.

The following were suggested as guidelines while States were allowed adequate flexibility in taking up schemes from amongst the guidelines or as per felt needs and local conditions :—

(i) Buffer-stocking of quality seeds/ seed production in North-East;

(ii) Schemes for provision of bore/ shallow tubewells, etc.

(iii) Drip irrigation system among small/marginal cotton cultivators;

(iv) Land development including reclamation of soils;

(v) Strengthening infrastructure for small/marginal farmer cooperatives for poultry, fishery, fruit/vegetables, etc.

(vi) Improving storage/retail outlets, provision of soil testing laboratories to promote fertiliser use in low consumption areas;

(vii) Promote use of small tractors;

(viii) Setting up fertiliser quality control infrastructure; and

(ix) Establishment of biological control laboratories.

उत्तर प्रदेश में कल्याणकारी योजनाएं

343. **चौधरी हरमोहन सिंह** : क्या कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर प्रदेश में गत वर्ष चलाई गई कल्याणकारी योजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) इन योजनाओं में क्या लक्ष्य रखे गए थे तथा उनकी उपलब्धि क्या रही है;

(ग) लक्ष्यों को प्राप्त न कर पाने के क्या कारण हैं ?

कल्याण मंत्री (श्री सीताराम केसरी) : (क) से (ग) कल्याण मंत्रालय अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, विकलांगों तथा समाज के अन्य कमजोर वर्गों के कल्याण तथा विकास के लिए उत्तर प्रदेश राज्य सहित सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में अनेक केन्द्रीय और केन्द्र प्रायोजित योजनाएं कार्यान्वित कर रहा है । इन योजनाओं के संबंध में कोई निश्चित राज्यवार लक्ष्य नहीं है । संबंधित योजनाओं के बारे में सूचना राज्य सरकारों को भेजी जाती है और उनसे प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर मंजूरियां जारी की जाती हैं। योजनाओं के ब्यौरे, 1991-92 के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार को निर्मुक्त की गई निधियां तथा वास्तविक कवरेज जिसमें कवर किए गये लाभग्राहियों की संख्या भी शामिल है, यथा उपलब्ध निम्नानुसार है :—

क्रम सं०	केन्द्रीय सहायता से कार्यान्वित की जा रही योजना	1991–92 के दौरान निर्मुक्त निधियां तथा लाभग्राहियों की संख्या
अनुसूचित जाति विकास	निर्मुक्त निधियां	(राशि लाख में) कवर किए गए लाभग्राहियों की संख्या
1. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्तियां	700.00	2,32,257
2. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए मैट्रिकपूर्व छात्रवृत्तियां	49.79	14,613
3. अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के लिए पुस्तक बैंक	2.00	911